ISSN 0974-8857

तुलसी प्रज्ञा

TULSÍ PRAJÑÁ

वर्ष 36 • अंक 144 • जुलाई-सितम्बर, 2009

Research Quarterly

अनुसंधान त्रैमासिकी

जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय
लाडनूं - 341 306 (राजस्थान) भारत
JAIN VISHVA BHARATI UNIVERSITY
Ladunu - 341 306, Rajasthan, India

तुलसी प्रज्ञा

ISSN 0974-8857

TULSĪ PRAJÑĀ

Research Quarterly of Jain Vishva Bharati University

VOL.-144 JULY - SEPTEMBER, 2009

Patron
Samani Dr Mangalprajna
Vice-Chancellor

Editor
Hindi Section
Dr Mumukshu Shanta Jain

English Section
Prof. Jagat Ram Bhattacharyya

Managing Editor
Nepal Chand Gang

Editorial-Board
Prof. Mahavir Raj Gelra, Jaipur
Prof. Satya Ranjan Banerjee, Kolkata
Prof. Arun Kumar Mookerjee, Kolkata
Prof. Dayanand Bhargava, Jaipur
Prof. Frank Van Den Bossche, Belgium
Prof. Bachh Raj Dugar, Ladnun
Dr J.P.N. Mishra, Ladnun

Publisher :
Jain Vishva Bharati University
Ladnun-341306, Rajasthan, India

Research Quarterly of Jain Vishva Bharati University

VOL.-144 JULY-SEPTEMBER, 2009

Editor Hindi
Dr Mumukshu Shanta Jain

Editor English
Professor Jagat Ram Bhattacharyya

Managing Editor
Nepal Chand Gang

Editorial Office
Tulsī Prajñā, Jain Vishva Bharati University
LADNUN-341 306, Rajasthan, India

Publisher	:	Jain Vishva Bharati University Ladnun-341 306, Rajasthan, India
Type Setting	:	Jain Vishva Bharati University Ladnun-341 306, Rajasthan, India
Printed at	:	Jaipur Printers Pvt. Ltd. Jaipur-302 015, Rajasthan, India

Subscription (Individuals) Three Year 500/-, Life Membership Rs. 2100/-

The views expressed and facts stated in this journal are those of the writers. The Editors may not agree with them.

अनुक्रमणिका / CONTENTS

हिन्दी खण्ड

विषय	लेखक	पृ. सं.
भारतीय धर्म दर्शन में सर्वधर्मसमभाव-एक समीक्षा	प्रो. अभिराजराजेन्द्र मिश्र	05
सम्मतितर्क में कार्य- कारणवाद का स्वरूप	डॉ. श्वेता जैन	14
जैन संस्कृत पुराणों के परिप्रेक्ष्य में राज्य-उत्पत्ति की अवधारणा	डा. विजय कुमार झा	24
अनुसंधान की दिशा में एक ज्वलन्त प्रश्न : क्या जैन समाज परिग्रही है ?	डॉ. दयानन्द भार्गव	39
मानवीय एकता के सन्दर्भ में अहिंसा, अनेकान्त और अपरिग्रह की भूमिका	डॉ. विजय कुमार	43
श्रीमदभगवद्गीता एवं निष्काम कर्म योग- एक विवेचन	डॉ. डॉली जैन	51

ENGLISH SECTION

Subject	Author	Page No.
Ācārāṅga-Bhāṣyam	Ācarya Mahāprajña	59
Anekānta and Christian Spiriuality	Valson Thampu	71
Manaḥparyāya Jñāna (Mind Reading) : Science vs. Extra Sensory perception	Samani Chaitya Prajñā	86
Jaina Pāribhāṣika Śabdakośa	Prof. J. R. Bhattacharyya	95

जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूँ

प्रकाशन सूची

क्र.	पुस्तक का नाम	लेखक/सम्पादक	मूल्य
1.	आचार्य महाप्रज्ञ का संस्कृत साहित्य	डॉ. हरिशंकर पाण्डेय	550
2.	युग को आचार्य महाप्रज्ञ का योगदान	डॉ. हरिशंकर पाण्डेय/डॉ. जे.पी.एन. मिश्रा	100
3.	अंगुत्तर निकाय भाग-1	श्री श्रीचंद रामपुरिया	50
4.	अंगुत्तर निकाय भाग-2	श्री श्रीचंद रामपुरिया	60
5.	महाभारत परिक्रमा	श्री श्रीचन्द रामपुरिया	60
6.	वासुदेव श्रीकृष्ण	श्री श्रीचंद रामपुरिया	10
7.	श्रमण सूक्त	श्री श्रीचंद रामपुरिया	150
8.	तीर्थंकर वर्द्धमान जीवन प्रसंग	श्री श्रीचंद रामपुरिया	80
9.	आवश्यक निर्युक्ति खण्ड-1	डॉ. समणी कुसुम प्रज्ञा	400
10.	आचारांग और महावीर	साध्वी श्रुतयशा	150
11.	सम्बोधि का समीक्षात्मक अनुशीलन	समणी स्थित प्रज्ञा	100
12.	रत्नपालचरितम	डॉ. हरिशंकर पाण्डेय	100
13.	दूरस्थ शिक्षा की उपयोगिता	डॉ. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी	100
14.	नई सुबह	डॉ. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी	100
15.	जैन विद्या और विज्ञान	प्रो. (डॉ.) महावीर राज गेलड़ा	300
16.	हरा आँचल	डॉ. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी	100
17.	माटी की रक्षा	डॉ. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी	100
18.	जैन संस्कृति और जीवन मूल्य भाग-1	समणी ऋजु प्रज्ञा	75
19.	जैन संस्कृति और जीवन मूल्य भाग-2	समणी ऋजु प्रज्ञा	75
20.	जैन संस्कृति और जीवन मूल्य भाग-3	समणी ऋजु प्रज्ञा	75
21.	भिक्षु न्यायकर्णिका	पं. विश्वनाथ मिश्र	120
22.	जैन इतिहास एवं संस्कृति	समणी ऋजु प्रज्ञा	120
23.	जीवन विज्ञान और स्वास्थ्य	डॉ. समणी ऋजु प्रज्ञा / समणी श्रेयस प्रज्ञा	120
24.	योग वैशिष्ट्य	डॉ. जे.पी.एन. मिश्रा	400
25.	जैन तत्त्व मीमांसा और आचार मीमांसा	डॉ. समणी ऋजु प्रज्ञा	120
26.	अर्द्धमागधी साहित्य में गणित	डॉ. अनुपम जैन	200
27.	Anekant : Reflection & Clarification	Acharya Mahaprajna	30
28.	Anekant: Views & Issues	Acharya Mahaprajna	30
29.	Lord Mahavir (Vol. 1,2,3)	Shri S.C. Rampuria	1000
30.	Shraman Bhagwan Mahavir Life & Doctrine	Shri S.C. Rampuria	300
31.	Pslam of Life	S. Nath Jain / Ed. Sh. S.C. Rampuria	24
32.	Anekanta- The Third Eye	Acharya Mahaprajna	195
33.	Science in Jainism	Prof. M.R. Gelra	200
34.	The Quest for Truth	Acharya Mahaprajna	195
35.	Sound of Silence	Acharya Mahaprajna	140
36.	Journey into Jainism (Reprint)	Sadhvi Vishrut Vibha	39
37.	Jain Studies & Science	Prof. (Dr.) M.R. Gelra	400
38.	Non-violence Relative Economics and A New Social Order	Prof. B.R.Dugar/Dr. Satya Prajna/ Dr. Samani Ritu Prajna	500
39.	Jain Biology	Late Shri Jetha Lal S. Zaveri / Prof. Muni Mahendra Kumar	200
40.	Teaching of Lord Mahavira	Shri S.C. Rampuria	25

प्रकाशक - सम्पादक - डॉ. मुमुक्षु शान्ता जैन द्वारा जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय
लाडनूं के लिए प्रकाशित एवं जयपुर प्रिण्टर्स, जयपुर द्वारा मुद्रित